अतिरिक्त विषय – भारतीय संगीत
कक्षा – नवमी

पूर्णांक–100

अंक विभाजन

सैद्धांतिक– 25
प्रायोगिक– 75

नोटः– भारतीय संगीत विषय के अन्तर्गत शास्त्रीय गायन, वादन एवं तबला, पखावज, अलग–अलग विषय है। इनमें से विद्यार्थी शास्त्रीय गायन या वादन के अन्तगर्त दिये गये वाद्यो (सितार, सारंगी, दिलरुबा, इसराज, वीणा, वायलिन,जलतरंग, सरोद, बांसुरी एवं शहनाई) में से कोई एक वाद्य अथवा ताल वाद्य (तबला, पखावज) में से कोई एक वाद्य संगीत विषय के अंतर्गत ले सकता है।

हिन्दुस्तानी संगीत – गायन/वादन

समयः 3 घण्टे **सैद्धांतिक** **पूर्णांकं – 25**

क्रम	विषय वस्तु	अंक
इकाई 1	भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।	05
इकाई 2	परिभाषाएं – संगीत, नाद, स्वर, (शुद्ध विकृत) सप्तक, राग, लय, ताल, सम, खाली, ताली, मात्रा, आवर्तन, आरोह, अवरोह, पकड़।	10
इकाई 3	रागो का शास्त्रीय परिचय। रागो के नाम : – यमन, बिलावल, खमाज, परिचय।	05
इकाई 4	ताल वर्णन – तीन ताल, कहरवा, दादरा, झपताल।	05
	कुल योग –	**25**

हिन्दुस्तानी संगीत गायन/वादन
प्रायोगिक

पूर्णांकं – 75

क्रम	विषय वस्तु	अंक
इकाई 1	राष्ट्रगीत।	10
इकाई 2	2. लोकगीत/आदिवासी गीत।	
इकाई 3	2. भजन।	
इकाई 4	2. देश भक्ति गीत।	
इकाई 5	अलंकारो का अभ्यास (दस अलंकार शुद्ध थाटो में)।	15
इकाई 6	तालों का – ताली द्वारा प्रदर्शन । (तीन ताल, कहरवा, दादरा, झपताल)	10
इकाई 7	सैद्धांतिक में पढ़ाये गये रागो में से प्रत्येक का सरगम एवं द्रुतख्याल (यमन, बिलावल, खमाज, भैरव)।	40

संदर्भ ग्रंथ : –सैद्धांतिक के लिए – (1) संगीत विशारद।
(2) राग परिचय भाग 1, 2
प्रायोगिक – हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1, 2

अतिरिक्त विषय – भारतीय संगीत

कक्षा – नवमी **पूर्णांक–100**

अंक विभाजन

सैद्धांतिक–25

प्रायोगिक–75

तबला/पखावज

सैद्धांतिक

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–25**

क्रम	**विषय वस्तु**	**अंक**
इकाई 1	परिभाषाएं :– बोल, ठेका, ताल, मात्रा, लय, सम, खाली, ताली।	10
इकाई 2	वाद्य का सम्पूर्ण परिचय।	05
इकाई 3	ताल वर्णन – तीन ताल, झपताल, कहरवा, दादरा।	10
		कुल योग – 25

तबला/पखावज

प्रायोगिक **पूर्णांकं – 75**

क्रम	विषय वस्तु	अंक
इकाई 1	बोलो की निकासी। (स्थान)	20
इकाई 2	तीन ताल मे 3 – 3 कायदे पल्टे सहित अभ्यास।	30
इकाई 3	दादरा एवं कहरवा में संगत भजन के साथ।	25
		कुल योग – 75

संदर्भ ग्रंथ : –

ताल परिचय भाग 1

ताल परिचय भाग 2